CAREER REPORT

Name -

D.O.B- **TIME-** **PLACE-**

सभी ज्योतिषीय सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए और आपकी कुंडली का सूक्ष्मता से निरिक्षण करने के बाद मैं अपनी राय दे रहा हूं। यह विश्लेषण देश, काल और परिस्थिति को ध्यान में रखकर भी किया गया है ताकि परिस्तिथियों को समझते हुए सही निर्णय पर पंहुचा जा सके। रिपोर्ट में दशा के साथ–साथ गोचर को ध्यान में रखकर भविष्यवाणियाँ की गयी है।

D-1 CHART

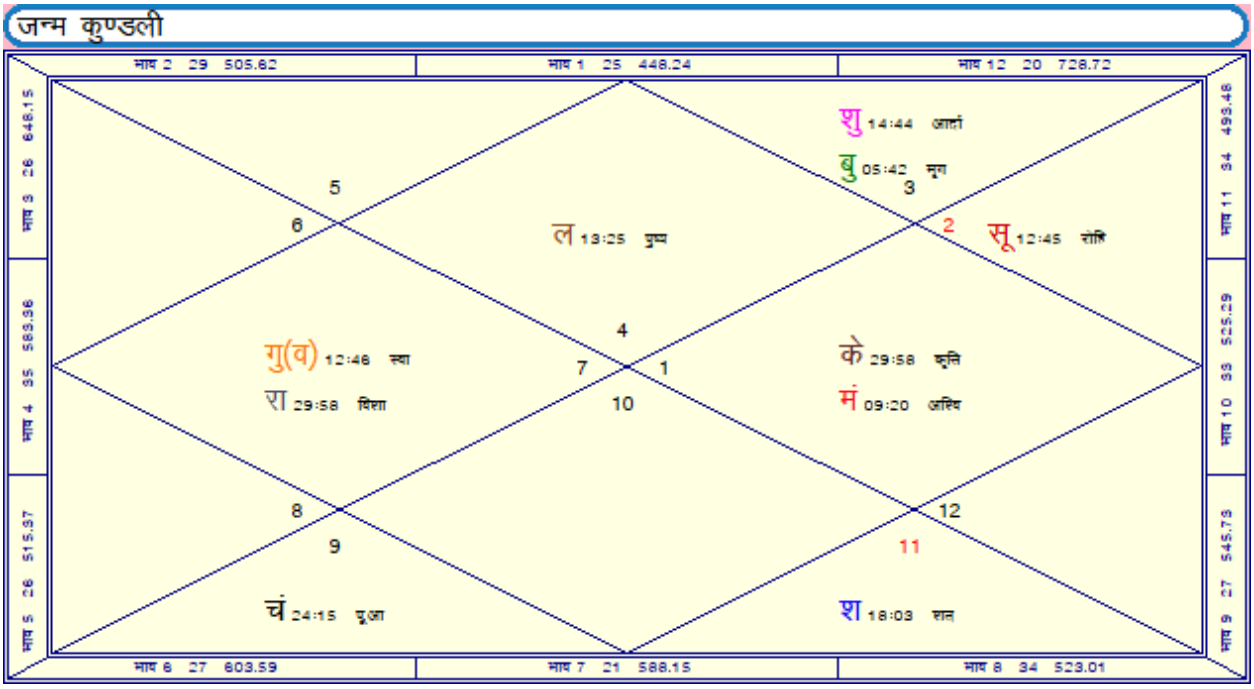

लग्न, लग्नेश और कारक की स्थिति –

ज्योतिषीय गणना–

जातक के लग्न में कर्क राशि है और लग्नेश छठे स्थान में धनु राशि का स्थित है। लग्न पर मंगल की दृष्टि है और राहु–केतु और गुरु का केंद्रीय प्रभाव है। लग्नेश पर शुक्र और बुध की दृष्टि है। लग्न के कारक सूर्य एकादश भाव में स्थित है और किसी की युति एवं दृष्टि नहीं है। लग्न, लग्नेश और कारक को अच्छा कहेंगे।

नवांश पत्रिका में लग्नेश चन्द्रमा वृश्चिक राशि में लग्न में ही स्थित है। लग्न के कारक सूर्य नवांश में अपनी उच्च राशि का छठे भाव में स्थित है। नवांश में भी हम लग्नेश और कारक को अच्छा कहेंगे।

जातक परिश्रमी एवं बातों का समझने वाला होगा लेकिन सही निर्णय के लिए जातक को हर समय किसी के सहयोग की आवश्यक्ता होगी। परिश्रम करने के बाद ही सफलता मिलने की संभावना है। जातक अपने कर्म क्षेत्र में भी अपने परिश्रम के साथ काम करेगा और आगे बढ़ेगा।

कुंडली में करियर का समझने का सरल सिद्धान्त–

करियर के निर्धारण से पहले हमे दशम, दशमेश, कारक, नवांश, दशांश चार्ट और वर्त्तमान एवं आगामी दशाओं का सूक्ष्मता से निरिक्षण करना होगा ताकि सही करियर का चुनाव आसानी से हो सके और आने वाले उतार–चढ़ाव को समझा जा सके।

लग्न चार्ट के कर्मभाव से करियर –

दशम भाव में मेष राशि स्थित है और स्वामी मंगल दशम भाव में स्थित है। मंगल राहु–केतु एक्सिस में और गुरु एवं शनि से दृष्ट है। दशम भाव के कारक बुध द्वादश भाव शुक्र के साथ स्थित है और गुरु से दृष्ट है। कर्म के कारक ग्रह शनि अष्टम भाव में स्वराशि कुम्भ का स्थित है। लग्नेश और दशमेश का एक दुसरे से पंचम–नवम का सम्बन्ध है।

शुभाशुभ निर्णय–

यहां यह स्पष्ट होता है कि करियर प्रारंभ करने में विलम्ब संभव है लेकिन उसके बाद विशेष परेशानी नहीं होगी। अपने रूचि एवं शिक्षा के अनुकुल ही कर्मक्षेत्र होगा ।

NAVANSH

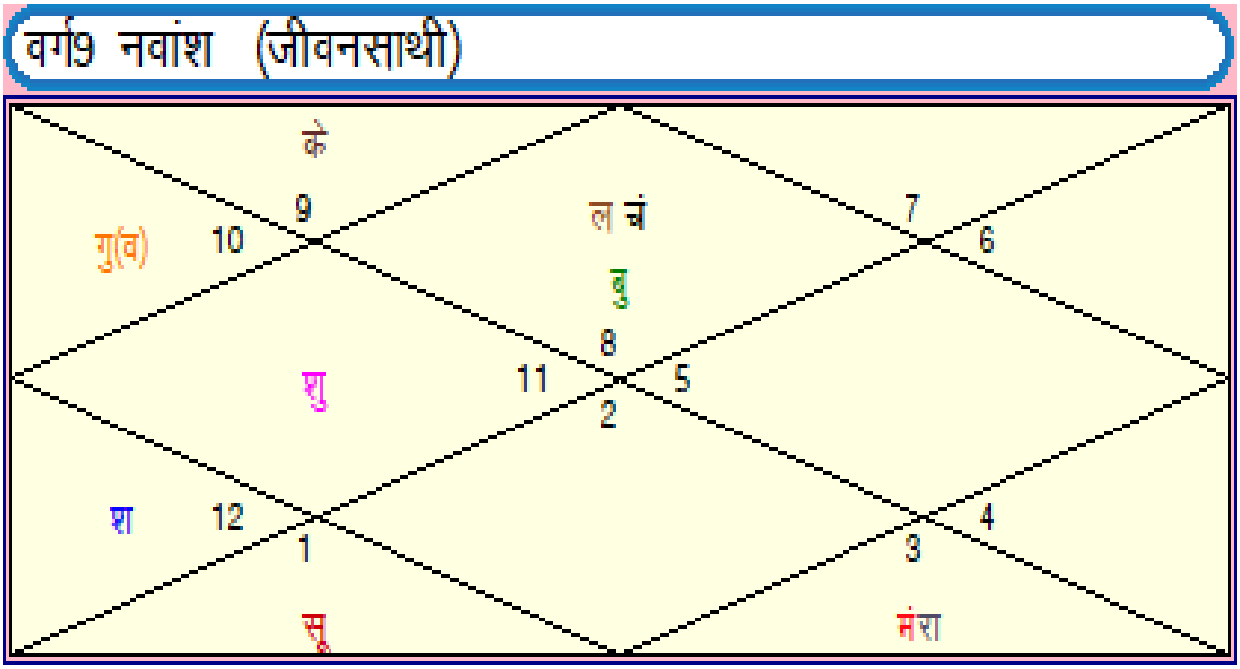

नवांश चार्ट–

ज्योतिषीय गणना–

नवांश चार्ट के दशम भाव में लग्न चार्ट के धन भाव की सिंह राशि स्थित है। नवांश चार्ट में लग्न चार्ट का दशमेश मंगल अष्टम भाव में मिथुन राशि में राहु के साथ स्थित है। कर्म के कारक ग्रह शनि नवांश में पंचम भाव में मीन राशि स्थित है और शनि से दशम में धनु राशि है जिसके स्वामी गुरु तीसरे स्थान में मकर राशि के स्थित है। नवांश में लग्न चार्ट के लग्नेश चंद्र और दशमेश मंगल का एक दुसरे से 6/8 का सम्बन्ध है।

शुभाशुभ निर्णय–

नवांश पत्रिका के आधार पर कहा जा सकता है की जातक को करियर में उतार–चढ़ाव का सामना करना पड़ सकता है। परन्तु जातक कर्मठ होंगे और अपने कर्म से कभी पीछे नहीं हटेंगे। लग्नेश चंद्र और दशमेश मंगल का एक दुसरे से 6/8 का सम्बन्ध भी करियर में उतार–चढ़ाव को दर्शाता है या करियर बिलम्ब से प्रारंभ हो ऐसा कहना चाहिए।

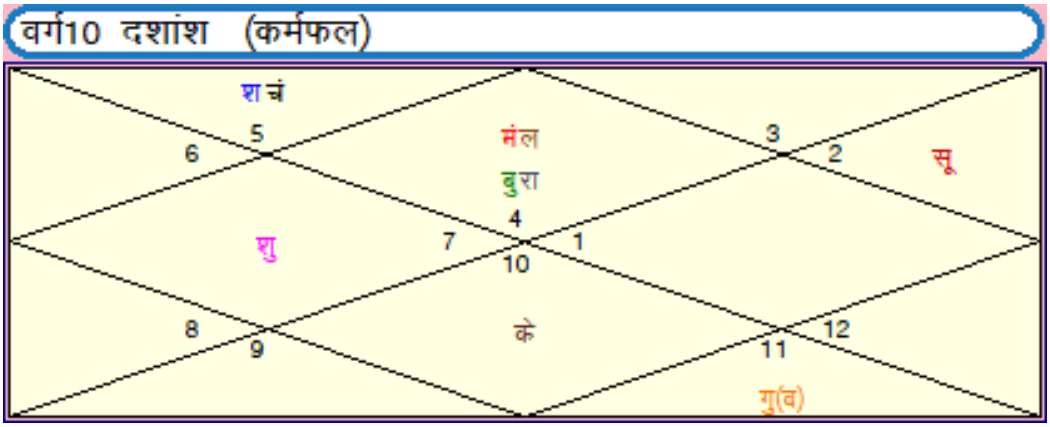

दशांश चार्ट

ज्योतिषीय गणना–

दशांश चार्ट के लग्न में लग्न चार्ट के लग्न की कर्क राशि ही स्थित है और दशम में लग्न चार्ट के दशम भाव की मेष राशि स्थित है। लग्न और दशांश चार्ट का दशमेश मंगल लग्न में ही कर्क राशि का स्थित है। कर्म के कारक ग्रह शनि दुसरे स्थान में सिंह राशि में स्थित है और शनि से दशम में वृष राशि में सूर्य स्थित है। यहाँ दशांश चार्ट में करियर से सम्बंधित परेशानी नहीं दर्शाता।

उपरोक्त सभी तथ्यों को ध्यान में रखते हुए करियर के लिए लिया गया निर्णय –

शिक्षा के आधार पर ही करियर का चुनाव संभव है। यहां करियर निर्धारण के जो नियम ज्योतिष में बताए गए हैं उसके अनुसार लग्नेश, चन्द्रमा एवं सूर्य इन तीनों में सबसे बलवान हो उससे

निर्धारित करना चाहिए। पत्रिका में सूर्य और चन्द्रमा (लग्नेश) दोनों ही बलवान है। लग्न से दशम में मेष राशि स्थित है तथा स्वामी मंगल भी दशम में ही स्थित है।

पराशरी सिद्धान्त कहता है कि –

1–लग्न से दशम में मंगल अर्थात मंगल को करियर निर्धारक मानकर चलना है ।

2–सूर्य और चंद्र से दशम में स्थित राशि का स्वामी नवांश नवांश पत्रिक में मंगल एवं गुरु की राशि में जाने के कारण इन दोनों को भी करियर निर्धारक मानकर चलना है ।

3–आगामी दशानाथ राहु जो शुक्र की तरह काम करेगा।

4– पत्रिका में षडबल के आघार पर जो ग्रह सबसे अधिक बलवन हो उस ग्रह का प्रभाव हमारे जीवन के सभी पहलुओं पर होता है। यहां जातक की पत्रिका में शनि सबसे बलवान ग्रह है। शनि के बाद मंगल दूसरे नंबर पर बलवान है ।

5– वर्तमान दशा एवं दो–चार वर्ष में दशा जो वर्तमान दशा के बाद आएगा वो अपने अनुरूप कार्यक्षेत्र में ले जा सकता है इन बातों का भी ध्यान रखना है ।

उपरोक्त नियमों से प्राप्त होता है कि मंगल और शनि विशेष रूप करियर निर्धारक होगा यहां गुरु को लेना उचित नहीं होगा। आगामी दशा राहु की आने वाली है और राहु चतुर्थ भाव में तुला राशि में स्थित है और यहाँ राहु शुक्र की दोनों राशिओं का फल करेगा। राहु गुरु के साथ और मंगल से दृष्ट है। राहु यहाँ शुक्र की तरह कामनापरक और गुरु का साथ लेकर समझदारी से एवं मंगल की दृष्टि से लॉजिकली किसी भी कार्य को करना चाहेगा।

सरकारी नौकरी के लिए विशेष रूप से गुरु एवं सूर्य को देखना होता है जो पत्रिका में अच्छे स्थिति में है ।

इन सभी बातों को ध्यान में रखकर कहना चाहेंगे कि करियर सरकारी क्षेत्र में होना चाहिए। यदि किसी कारण वश सरकारी में नहीं जा सके तो किसी कन्सट्रक्शन इन्डसट्री या एग्रीकल्चर इन्डसट्री में आपको लीगल कंसलटेंट आफिसर के फील्ड में जाने की सलाह देंगे।

आपके प्रश्नानुसार क्या जातक सरकारी क्षेत्र में भी लाभ प्राप्त कर सकते है?

क्यूंकि पत्रिका में सूर्य एकादश भाव में है और षड्बल में भी बलवान है। अन्य वर्ग चार्टों में भी सूर्य की स्थिति को हम बलवान कहेंगे इसीलिए जातक को इस दिशा में प्रयासरत रहना चाहिए।

राहु की दशाओं में जातक अपने कार्यक्षेत्र से सम्बंधित योजनाएं बनाने में निपुण होगा। राहु पत्रिका में त्रिकोण के स्वामी गुरु के साथ होने से अच्छे फल देगा। जुडिशरी के लिए हम शुक्र को मूल ग्रह के रूप में लेते है यहाँ शुक्र के कार्य को राहु पूरा करेगा। जुडिसियरी के क्षेत्र में आपकी तर्कशक्ति, आपकी योजनाएं और उच्च पद तक जाने की कामनाएं सभी को राहु अपनी दशाओं में पूरी करेगा।

DASHA

मं-चं	गुरुवार	04-06-2020
रा-रा	रविवार	03-01-2021
रा-गु	शनिवार	16-09-2023
रा-श	सोमवार	09-02-2026
रा-बु	शनिवार	16-12-2028
रा-के	शनिवार	05-07-2031
रा-शु	शुक्रवार	23-07-2032
रा-सू	सोमवार	23-07-2035
रा-चं	सोमवार	16-06-2036
रा-मं	बुधवार	16-12-2037

राहु–राहु– 03–01–2021 से 16–09–2023

मंगल की दशाओं की समाप्ति के बाद जातक की राहु की दशाएं प्रारम्भ हो जाएंगी। राहु पत्रिका में चतुर्थ भाव में तुला राशि का गुरु के साथ स्थित है और मंगल दृष्ट है। राहु लग्नेश चन्द्रमा से एकादश है। राहु में राहु की दशाओं में हम साधारण फलों की बात करेंगे। समयांतराल में आने वाली प्रत्यंतर दशाएं आपके करियर के लिए लाभकारी होंगी।

नीचे दी गयी कुछ दशाएं आपके करियर के अनुकूल है यहाँ या तो आप करियर का प्रारंभ कर सकते है या पढ़ाई के साथ–साथ कोई पार्ट–टाइम जॉब या प्रैक्टिस भी कर सकते है। आपको इन दशाओं का लाभ लेना चाहिए।

राहु–राहु–गुरु– 31–05–2021 10–10–2021

प्रत्यन्तर्दशानाथ गुरु छठे और नवम का स्वामी होकर चतुर्थ भाव में राहु के साथ स्थित है और लग्नेश से एकादश में है। पहली जॉब की बात हम दशम त्रिकोण की दशाओं में करते है। गुरु छठे भाव यानि दशम से नवम भाव का स्वामी है और दशम स्थान एवं दशमेश दृष्टि भी दे रहा है। यहाँ आपको जॉब का ऑफर आ सकता है

फल प्राप्ति का समय –

उपरोक्त दशाओं में लग्नेश चन्द्रमा पत्रिका में जिस राशि में स्थित है उससे त्रिकोण में भावेश मंगल आता है यहाँ फल प्राप्ति के नियम की पुष्टि होती है। गुरु और भावेश मंगल भी एक दुसरे से समसप्तक है यहाँ भी नियम की पुष्टि होती है।

लग्न पत्रिका में लग्नेश जिस राशि में स्थित है उस राशि के अनुसार वर्तमान का गोचर ही फलप्राप्ति के समय को बताता है ।

फल प्राप्ति का समय– राहु–राहु–गुरु– 31–05–2021 से 10–10–2021

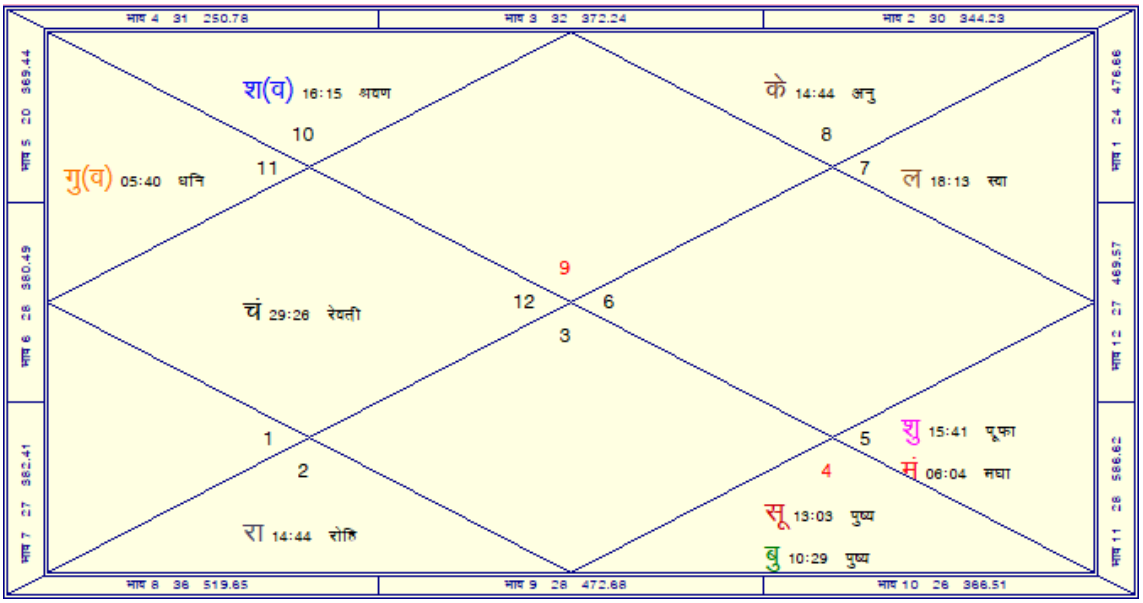

राहु–राहु–शनि– 10–10–2021 से 15–3–2022

शनि सप्तम और अष्टम का स्वामी होकर अष्टम भाव में स्थित है। दशानाथ से पंचम और लग्नेश से तीसरा है। दशम स्थान से अन्तर्दशानाथ की स्थिति एकादश है और लग्न से अष्टम है ।

यहाँ कार्यक्षेत्र अचानक से परिवर्तन संभव है यहाँ थोड़ी बहुत परेशानियों के बाद कार्यक्षेत्र में तरक्की होगी। जातक दूसरी नौकरी के लिए भी प्रयासरत हो सकते है। यहाँ कुछ समय के लिए जातक को कार्यक्षेत्र में परेशानी हो सकती है लकिन बाद में अच्छी नौकरी मिलेगी।

राहु –राहु –बुध– 15–03–2022 से 01–08–2022

बुध पत्रिका में तीसरे और द्वादश का स्वामी होकर द्वादश में अपनी ही मिथुन राशि का चतुर्थेश और लाभेश के साथ स्थित है। लग्नेश से समसप्तक और दशानाथ से पंचम है। इन दशाओं में जातक की विदेश यात्राएं हो सकती है। आपके विवाहोपरान्त पत्नी से भी सहयोग प्राप्त होगा।

राहु–राहु–शुक्र– 28–09–2022 से 11–03–2023

शुक्र चतुर्थ और लाभ का स्वामी होकर द्वादश में मिथुन राशि का स्थित है। लग्नेश से सातवां और दशानाथ से नवम है।

यह दशाएं कार्य का विस्तार देने के लिए उपयुक्त है । कार्यक्षेत्र में जातक जल्दी और ज्यादा उन्नति की तरफ अग्रसर रहेंगे। दशा अनुकूल होने से इसका लाभ भी प्राप्त होगा। राहु में राहु की दशाओं में आप नए सम्बंधित कई योजनाएं बनाएँगे और थोड़े उतार–चढ़ाव के बाद सफलता मिलेगी।

राहु–गुरु– 16–09–2023 से 09–02–2026

गुरु पत्रिका में छठे और नवम का स्वामी होकर चतुर्थ भाव में तुला राशि में राहु के साथ स्थित है। लग्नेश से ग्याहरवां और दशानाथ के साथ स्थित है। नवांश पत्रिका में गुरु तीसरे भाव में मकर राशि में स्थित है। लग्नेश से तीसरा और दशानाथ से 6/8 के अक्ष में है।

गुरु दशम त्रिकोण का स्वामी है और दशम स्थान और दशमेश को दृष्टि भी दे रहा है।

राहु में गुरु की दशाओं के प्रारम्भ से ही कार्यक्षेत्र में प्रगति की संभावनाएं है यहाँ दशाओं के साथ–साथ गोचर का भी साथ आपको मिलेगा। इन दशाओं में कार्यक्षेत्र में विशेष तरक्की की सम्भावना है। इन दशाओं में वाहनादि का सुख भी मिलना चाहिए।

राहु–गुरु–गुरु– 16–09–2023 से 11–01–2024

इन दशाओं में फल प्राप्ति का समय होने के साथ–साथ गोचर का भी साथ प्राप्त है यहाँ दशाओं से हमे प्रगति की संभावनाए है

फल प्राप्ति का समय–

राहु–गुरु–गुरु – 16–09–2023 से 11–01–2024

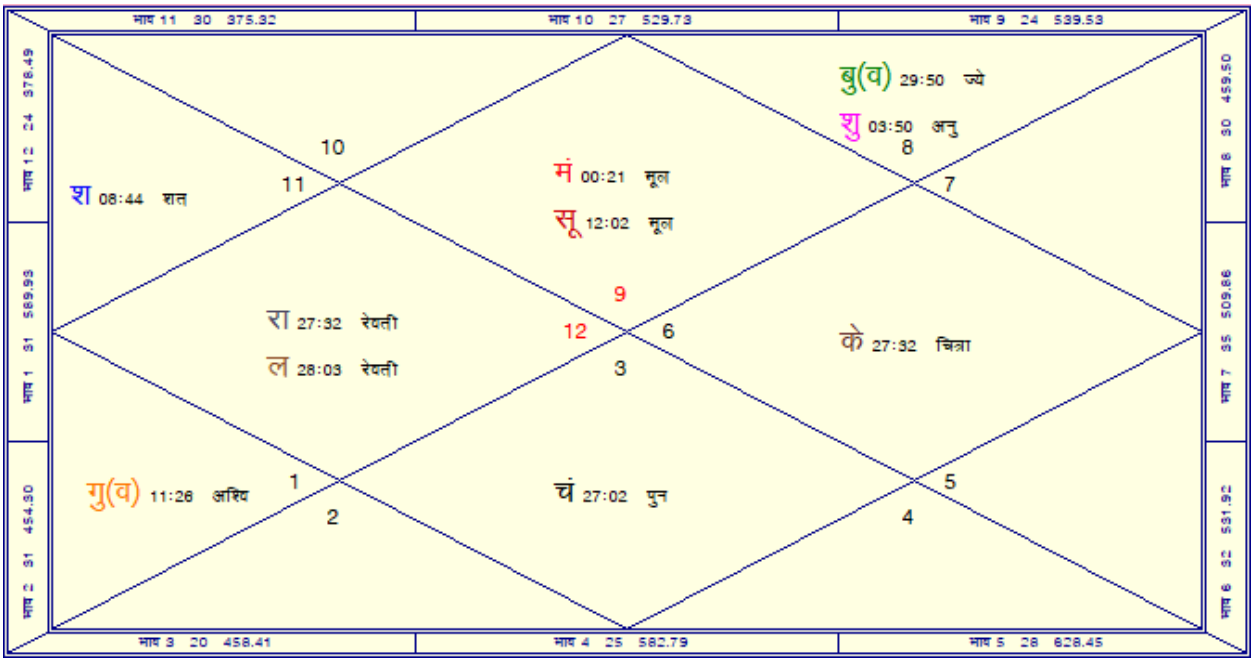

लग्नेश पत्रिका में धनु राशि में स्थित है और धनु राशि को लग्न मानकर देखे तो भावेश मंगल धनु राशि में ही स्थित होता है और गुरु से भी त्रिकोण में है। यहाँ दशाओं के साथ –साथ भवसिद्धिकाल के नियम की भी पुष्टि होती है।

गोचर–

जातक की चंद्र राशि धनु है और धनु रही से गुरु का गोचर पंचम भाव में है जिसे शुभ गोचर कहा जाता है और शनि का भी तीसरा गोचर शुभ होता है। .

जातक लॉजिकल और हमेशा प्रयासरत रहने वाले है। थोड़े बहुत उतार–चढ़ावों में अपने आपको सँभालने का सामर्थ्य रखते है। जातक की मंगल में चन्द्रमा की दशा वर्तमान में है यह मंगल की महादशा में आने वाली आखरी अन्तर्दशा है इसीलिए यहाँ थोड़ी–बहुत परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है लेकिन आगामी दशाएं जातक के अनुकूल है और जातक अपने करियर क्षेत्र में मनोनुकूल तरक्की करेंगे। कार्यक्षेत्र में सफलता एवं घर से दूर जाकर काम करने का अवसर प्राप्त होगा।

कार्यक्षेत्र सरकारी में हो तो पदोन्नति के साथ परिवर्तन मिलेगा यदि किसी कंपनी में काम करना पड़े तो अपने तरक्की के लिए जॉब बदलना संभव है ।

आपको जीवन में तरक्की मिले इसके लिए ढेर सारी ुभकामनऐं!

धन्यवाद!